318363

AECHN-42

Reg. No. | | | | | | | | |

IV Semester B.Com; M.B.S.; B.Com. (BFSI). B.Com. (RO) B.Com. (Honors) /B.Com.(Insurance). All B.Com Courses Degree Examination,

June/July- 2026

HINDI

DRAMA-MAHAMAYI, ARTH GRAHAN AND VIGYAPAN LEKHAN

(SEP Freshers Scheme)

Paper - IV

SPN ... SH COLLEGE LIBRARY ... CHAMARAJPET, BENGALURU

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए। (10×1=10)

1) महामाई की सेविका कौन है?
2) मौत का डर से कौन अपना वेष बदलता रहता है?
3) डॉ.संजीव के पिता का नाम क्या है?
4) राजमहल में कौन भयानक रोग से पीड़ित थी?
5) महामाई संजीव से किस दिन सूरज डूबने से पहले राजकुमारी के गले से संजीवनी बेल उतार देने के लिए कहती है?
6) शिवरात्री में शिव के वेष में कौन नृत्य कर रहा था?
7) संजीव के दवाखाने से बिना दवा लिये कौन चला गया?
8) राजकुमारी आत्महत्या करने कहाँ गई थी?
9) शिव ने किसे लम्बी आयु का वरदान दिया था?
10) 'महामाई' नाटक के लेखक कौन है?

II. निम्नलिखित संवादो में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (2×7=14)

1) "कैसन भी करके, याच बचाय लो।"
2) "जीवन की भूख हम दोनों को है। तुम जीवन को बचाए रखना चाहते हो और मुझे उसे नष्ट करने में प्रसन्नता होती है।"
3) "लेकिन कोई और न भी जाने, पर में जानता हूँ कि यह केवल एक अन्धविश्वास है। क्योंकि अगर यह सम्भव होता, तो इस दुनिया में मृत्यु नहीं होती।"

III. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए। (2×15=30)

1) 'महामाई' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
2) संजीव राजकुमारी के प्रेम पड़कर माँ की आशा के विरूद्ध उसका इलाज करता है तो मृत्यु और मानवीय स्वातन्त्र्य के बीच जो संघर्ष छिड़ता है वही "महामाई" नाटक का कथ्य है। स्पष्ट कीजिए।

[P.T.O.

3) लोक कथानक जैसी सरलता लिए "महाभाई" नाटक मानवीय विडम्बना का एक बड़ा विमर्श हमारे लिए प्रस्तुत करता है। नाटक के आधार पर उक्त कथन का विश्लेषण कीजिए।

IV. किसी एक पात्र पर टिप्पणी लिखिए। (1×6=6)

1) मदन।
2) मंजरी।

V. किसी एक विषय पर विज्ञापन तैयार कीजिए। (1×10=10)

1) लैपटॉप।
2) मोबाइल।

LIBRARY

VI. निम्नलिखित गद्यांश को पढकर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10×1=10)

एक राजा के चार पुत्र थे। राजा ने उनको बुलाकर कहा, "जो सर्वश्रेष्ठ धर्मात्मा को ढूँढकर लाएगा, वही राज्य का उत्तराधिकारी बनेगा। "पिता की आज्ञा प्राप्त कर चारों राजकूमार घोडों पर सवार हुए और चारों दिशाओं में चले गए। बड़ा राजकुमार अपने साथ सेठ को लाया और उसने बताया – "ये सेठ जी सदा सहस्त्रों रुपये दान करते है। इन्होनें बहुत से मंदिरो का निर्माण करवाया है, जलाशय खुदवाए है ओर अनेक स्थानों पर इनकी और से प्याऊ चलते है। ये नित्य भगवत कथा श्रवण करते हैं।"

दूसरों राजकूमार के साथ एक कृशकाय ब्राह्मण था। उसने कहा–"इन विप्रदेव ने समस्त तीर्थस्थानों का भ्रमण पैदल ही किया है। असत्य व क्रोध इन्हें धू तक नहीं गए। नियम से पूजा करके ही जल पीते हैं। तीनों समय स्नाव करके पूजा–पाठ करते हैं।" तीसरा राजकुमार अपने साथ किसी साधु को लेकर आया। उसकी बड़ी भारी जटाएँ थी और शरीर कंकाल–मात्र नजर आता था। उस राजकुमार ने बताया।"महाराज ये बहुत बड़े तपस्वी हैं। सात दिनों में केवल एक बार दूध पीते हैं। गरमी में पंचाग्नि तापते हैं। सरदी में जल में खड़े रहते हैं। सदा भगवान का ध्यान करते हैं।"

राजा ने उन तीनों को ही धर्मात्मा स्वीकार किया और उन्हें ससम्मान राज्य सभा में स्थान भी दिया। अंत में छोटा राजकुमार आया उसके साथ मैले कपड़े पहने एक देहाती था। वह बेचारा दूर से ही हाथ जोड़कर डरता हुआ राजा के सामने आया। तीनों बड़े राजकूमार छोटे भाई की मूर्खता पर हँसने लगे। छोटे राजकुमार ने कहा–"एक कुत्ते के शरीर में घाव हो गए थे। पता नहीं किसका कुत्ता था, इसने देखा और लगा घाव धोने। में इसे ले आया हूँ। पता नहीं यह धर्मात्मा है या नहीं? आप पूछ ले।

प्रश्न:–

1) राजा के कितने पुत्र थे?
2) राजा ने अपने पुत्रों से क्या कहा?
3) बड़े राजकुमार अपने साथ किसे लेकर आए?
4) सेठ के धार्मिक कार्य क्या थे?
5) दूसरे राजकुमार अपने साथ किसे लेकर आए?
6) ब्राह्मण के बारे में क्या बताया गया
7) तीसरा राजकुमार अपने साथ किसे लेकर आया?
8) साधु की तपस्या के बारे में क्या बताया गया?
9) तीनों बड़े राजकुमार किसकी मूर्खता पर हँसने लगे?
10) राजा ने उन तीनों धर्मात्माओं के साथ क्या किया?